

समानाज्य राजस्व विभाग, मध्य प्रदेश सरकार

समक्ष : अशोक शिवहरे

सदस्य

निगरानी प्रकरण क्रमांक 637/दो/2013 विरुद्ध आदेश दिनांक 20.06.2012
—फारित—द्वारा तहसीलदार हटा जिला दमोह—प्रकरण क्रमांक 63 अ 12/11—12

मर्या मुन मूरन राज भावन
निवासी बालाजी वार्ड हटा
तहसील हटा जिला दमोह
मिजा

—आवेदक

संजय कुमार पुत्र रामशंकर द्विवेदी
निवासी बूड़ा हटा तहसील हटा
जिला दमोह मध्य प्रदेश

—अनावेदक

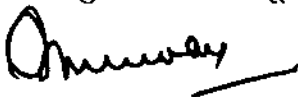
आवेदक के अभिभाषक श्री मुकेश भार्गव
अनावेदक के अभिभाषक श्री एस.के.श्रीवास्तव

आदेश

(आज दिनांक 26.5-2014 को फारित)

यह निगरानी तहसीलदार हटा जिला दमोह द्वारा प्रकरण क्रमांक 63 अ 12/11—12 में फारित आदेश दिनांक 20.06.2012 के विरुद्ध म0प्र0भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ प्रकरण का सारांश यह है कि अनावेदक ने तहसीलदार हटा के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर मांग की कि उसके नाम मौजा बूड़ा हटा स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 120/2 रकबा 0.534 हैक्टर है वह इस भूमि का सीमांकन कराना चाहता है। इसलिये राजस्व निरीक्षक से सीमांकन कराया जावे। तहसीलदार हटा के निर्देश पर पटवारी हलका नंबर 60 ने दिनांक 12-6-12 को सीमांकन किये जाने हेतु सीमांकन सूचना जारी की एवं सीमांकन उपरांत दिनांक 14-6-12 को



सीमांकन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसे तहसीलदार हटा ने प्रकरण क्रमांक 63 अ 12/11-12 में पारित आदेश दिनांक 20.06.2012 से स्वीकार कर अंतिमता प्रदान की। तहसीलदार के आदेश के विरुद्ध आवेदक के अभिभाषक ने निगरानी अपर कलेक्टर दमोह के समक्ष प्रस्तुत की। अपर कलेक्टर दमोह ने प्रकरण क्रमांक 13 अ 5/12-13 में पारित आदेश दिनांक 31 दिसम्बर 2012 से निगरानी प्रवृत्त करने के अधिकार न होने से निरस्त कर दी। तदनुक्रम में तहसीलदार के आदेश दिनांक 20-6-12 के विरुद्ध यह निगरानी भी हुई है।

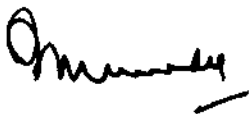
3/ निगरानी गेजो में उठाये गये बिन्दुओं पर उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्क प्रमाण किये तथा तहसीलदार के प्रकरण क्रमांक 63 अ 12/11-12 के साथ अन्य प्रस्तुत अभिलेख का अवलोकन किया गया।

3/ अनावेदक के अभिभाषक ने निगरानी विलम्ब से प्रस्तुत करने का तर्क प्रस्तुत किया। इस तथ्य पर विचार करने पर स्थिति यह है कि आवेदक के अभिभाषक ने त्रुटिवश प्रथम निगरानी अपर कलेक्टर दमोह के समक्ष प्रस्तुत कर दी, जो सुनवाई के अधिकार न होने के आधार पर निरस्त हुई है अतः अभिभाषक की त्रुटि से गलत न्यायालय में लगा समय भुजरा करने पर विलम्ब क्षमा योग्य है।

4/ उभय पक्ष के अभिभाषक के तर्कों पर विचार करने एवं पटवारी द्वारा सीमांकन तिथि निर्धारित करने हेतु जारी सूचना पत्र दिनांक 8-6-12 के अवलोकन पर पाया गया कि पटवारी 'हलका नंबर 60 ने केवल तीन व्यक्तियों को सीमांकन किये जाने वावत् सूचना पत्र जारी किया है -

1. संजय कुमार पिता रमाशंकर त्रिवेदी
2. भरत घनश्याम पुत्र पूरनलाल
3. राजेश पुत्र रमाशंकर त्रिवेदी

साथ ही पटवारी ने दिनांक 12.6.12 को मौके पर जाकर सीमांकन कार्य किया है.



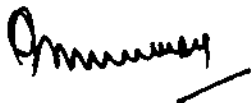
अबकि अनावेदक द्वारा तहसीलदार हटा के समक्ष आवेदन दिनांक 10.5.12 प्रस्तुत कर पद 3 में निम्नानुसार मांग की गई है -

"वह कि प्रार्थी उक्त भूमि का सीमांकन राजस्व निरीक्षक महो. द्वारा कराया जाएगा है।" किंतु तहसीलदार ने अनावेदक की मांग के विपरीत पटवारी हलका नंबर 80 से सीमांकन कराया है और पटवारी द्वारा किये गये सीमांकन को अनिश्चित प्रदान की है तहसीलदार के आदेश दिनांक 20.5.12 का पद 3 इस प्रकार है--

"हलका पटवारी के सीमांकन प्रतिवेदन पर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई। अतः हलका पटवारी द्वारा प्रस्तुत किये गये सीमांकन को पुष्टि दी जाती है। प्रतिवेदन संख्यामा , सूचना पत्र, फील्ड बुक, आदेश के मुख्य भाग होंगे।"

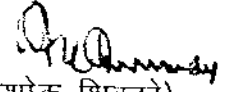
विचार योग्य बिन्दु यह है कि क्या हलका पटवारी सीमांकन कार्यवाही करने हेतु सक्षम है ? मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 129 की उपधारा 2 (अ) में व्यवस्था इस प्रकार दी गई है :-

1. इस धारा के अधीन तहसीलदार की शक्तियां डिप्टी कलेक्टर नजूल तथा सहायक भू अभिलेख अधिकारियों को प्रदान की गई है, धारा 24 के अंतर्गत टिप्पणी आ(4) देखें।
2. राज्य में नजूल अधिकारी के रूप में कार्य करने वाले समस्त डिप्टी कलेक्टरों को इस धारा के अधीन शक्तियां प्रदान की गई है। धारा 24 के अंतर्गत टिप्पणी आ(8) देखें।
3. जिला भोपाल में पदस्थ सभी सहायक बंदोवस्त अधिकारियों को इस धारा के अधीन तहसीलदार की शक्तियां प्रदान की गई हैं। धारा 24 के अंतर्गत टिप्पणी आ(42) देखें।
4. इस धारा के अधीन तहसीलदार की शक्तियां संहिता की धारा 108 के अंतर्गत अधिकार अभिलेख तैयार करने के लिये प्राधिकृत अधिकारियों को प्रदान की गई है। धारा 24 के अंतर्गत टिप्पणी आ(49) देखें।
5. असाधारण राजपत्र दिनांक 23-12-2010 में प्रकाशित अधिसूचना क्रमांक एफ-2-23-2010 सन 20-6 दिनांक 23 दिसम्बर 2010 के अनुसार - इस धारा के अधीन तहसीलदार की शक्तियां समस्त राजस्व निरीक्षकों को उनकी अपनी अपनी अधिकारिता के भीतर प्रदान की गई हैं। धारा 24 (1) की टिप्पणी (आ-53) भी देखें।



उपरोक्त से स्पष्ट है कि हलका पटवारी को सीमांकन करने की शक्तियां प्राप्त नहीं हैं अर्थात् मौके पर सीमांकन कार्यवाही सशक्त राजस्व अधिकारी ही कर सकता है और संहिता की धारा 129 के अंतर्गत हलका पटवारी सशक्त राजस्व अधिकारी नहीं हैं। अतएव बादप्रस्त भूमि वावत् पटवारी द्वारा की गई सीमांकन कार्यवाही अधिकारिता-निहीन है। इस धारा के अधीन पटवारी द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा सकती। (वायूसम विरुद्ध नरोत्तम कुमार 1971 सऊवि० 252 से अनुसरित)

5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर सड़कीलवार उदा द्वारा पत्रक्रम क्रमांक 63 अ 12/11-12 में पत्रित आदेश दिनांक 20.3.12 पूर्ण होने से निश्चय किया जाता है एवं निगरानी स्वीकार की जाती है। जहाँ तक बादप्रस्त भूमि का सीमांकन न होने का प्रश्न है ? पक्षकार स्वयं की भूमि का पुनर्सीमांकन सक्षम अधिकारी से कराने हेतु स्वतंत्र हैं।



(अशोक शिवहरे)

सदस्य

राजस्व मण्डल, म0प्र0ग्वालियर